हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. हिन्दी - चतुर्थ सेमेस्टर

पाठ्यक्रम शीर्षक -हिन्दी साहित्य की किसी एक विधा का विशेष अध्ययन

पाठ्यक्रम कूट-संकेत:एच.आई.एल 449 **श्रेय तुल्यमान:** 4 श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल,शिक्षक नियंत्रित गतिविधियों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,सेमिनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों (एम.ए, हिन्दी) को विधा विशेष से अवगत कराना है | विभाग के अन्य पाठ्यक्रमों में लगभग सभी विधाओं का समाहार किया जा चुका है इसलिए वर्तमान में इस पाठ्यक्रम के तहत निबंध विधा का अध्ययन-अध्यापन किया जाएगा | निबंध विधा के उद्भव, विकास के साथ इसकी बारीकियों को समग्रता में देखना इस पाठ्यक्रम का अभीष्ट होगा |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु विद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्यावधि परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायोगिक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. हिन्दी - चतुर्थ सेमेस्टर

पाठ्यक्रम कूट-संकेत:एच.आई.एल 449 **क्रेडिट-** 4

पाठ्यक्रम शीर्षक -हिन्दी साहित्य की किसी एक विधा का विशेष अध्ययन

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1 हिन्दी निबंध का उद्भव और विकास

क) निबंध : अर्थ एवं स्वरूप

ख) निबंध के प्रकार एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ

ग) निबंध लेखन की विविध शैलियाँ

घ) हिन्दी नवजागरण एवं हिन्दी निबंध की पृष्ठभूमि

ङ) हिन्दी निबंध साहित्य का काल-विभाजन

च) हिन्दी निबंध की क्रमिक विकासयात्रा

इकाई-2 हिन्दी निबंध का प्रथम चरण : भारतेंदु युग

क) भारतेंदु युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख निबंधकार

ख) निबंधकार के रुप में भारतेंदु का योगदान

ग) भारतेंदु के निबंध का पाठ-विवेचन एवं समीक्षा

(चयनित निबंध - 'स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन')

घ) निबंधकार के रुप में बालकृष्ण भट्ट का योगदान

ङ) बालकृष्ण भट्ट के निबंध का पाठ-विवेचन एवं समीक्षा

(चयनित निबंध - 'कर्तव्यपरायणता')

इकाई-3 हिन्दी निबंध का द्वितीय चरण : द्विवेदी युग

क) द्विवेदी युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख निबंधकार

ख) निबंधकार के रुप में बालमुकुन्द गुप्त का योगदान

ग) बालमुकुन्द गुप्त के निबंध का पाठ-विवेचन एवं समीक्षा
(चयनित निबंध - 'राजभक्ति')

घ) निबंधकार के रुप में चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' का योगदान

ङ) चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' के निबंध का पाठ-विवेचन एवं समीक्षा
(चयनित निबंध - 'मारेसि मोहिं कुठाऊँ')

इकाई-4 हिन्दी निबंध का तृतीय चरण : शुक्ल युग

क) शुक्ल युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख निबंधकार

ख) निबंधकार के रुप में आचार्य रामचंद्र शुक्ल का योगदान

ग) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के निबंध का पाठ-विवेचन एवं समीक्षा
(चयनित निबंध - 'उत्साह')

घ) निबंधकार के रुप में सियारामशरण गुप्त का योगदान

ङ) सियारामशरण गुप्त के निबंध का पाठ-विवेचन एवं समीक्षा
(चयनित निबंध - 'घोड़ाशाही')

इकाई-5 हिन्दी निबंध का चतुर्थ चरण : शुक्लोत्तर युग

क) शुक्लोत्तर युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख निबंधकार

ख) निबंधकार के रुप में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का योगदान

ग) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध का पाठ-विवेचन एवं समीक्षा
(चयनित निबंध - 'अशोक के फूल')

घ) निबंधकार के रुप में विद्यानिवास मिश्र का योगदान

ङ) विद्यानिवास मिश्र के निबंध का पाठ-विवेचन एवं समीक्षा
(चयनित निबंध - 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है')

च) निबंधकार के रुप में कुबेरनाथ राय का योगदान

छ) कुबेरनाथ राय के निबंध का पाठ-विवेचन एवं समीक्षा
(चयनित निबंध - 'हेमंत की संध्या')

आधार ग्रन्थ :

1.सत्यप्रकाश मिश्र (सम्पादन) भारतेंदु के श्रेष्ठ निबंध
लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,संस्करण 2002

2. सत्यप्रकाश मिश्र (सम्पादन) बालकृष्ण भट्ट के श्रेष्ठ निबंध

लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,संस्करण 1998

3. सत्यप्रकाश मिश्र (सम्पादन) बालमुकुन्द गुप्त के श्रेष्ठ निबंध
लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,संस्करण 2005

4. निर्मला जैन (प्रधान सम्पादक) निबंधों की दुनिया
पंडित चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली,संस्करण 2007

5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल चिंतामणि (पहला भाग)
लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,संस्करण 2005

6. विद्यानिवास मिश्र मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
नेशनल पेपर बैक्स दरियागंज नई दिल्ली, 2007

7. कुबेरनाथ राय प्रिया नीलकंठी
भारतीय ज्ञानपीठ,नई दिल्ली,2013

संदर्भ ग्रन्थ :

1. डॉ. विभुराम मिश्र एवं डॉ.ज्योतीश्वर मिश्र प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार
लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,संस्करण 2011

2.डॉ. सुमिता लोहिया हिन्दी के ललित निबंध
हेमाद्रि प्रकाशन,दिल्ली,संस्करण 2012

3. डॉ. पीयूष गुलेरी श्री चंद्रधर शर्मा गुलेरी :व्यक्तित्व एवं कृतित्व
गुंजन ऑर्गेनाइजेशन फॉर कम्यूनिटी डिवलपमेंट,सिद्धबाड़ी,धर्मशाला,हि.प्र.-2018

4.डॉ. कृष्णदेव शर्मा अशोक के फूल समीक्षा
अशोक प्रकाशन दिल्ली,2012

5. डॉ. वेदवती राठी हिन्दी ललित निबंध स्वरूप विवेचन
लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद,संस्करण 2013

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-4

पाठ्यक्रम शीर्षक - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 444 (HIL 444) **श्रेय तुल्यमान:** 4 श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल,शिक्षक नियंत्रित गतिविधियों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,सेमिनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का उद्देश्य एम .ए (हिन्दी) के विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के बाद कविता के क्षेत्र में आए बदलाव एवं परिवर्तन आदि से रूबरू कराना है जिससे कि स्वतंत्रता के बाद की काव्य परम्पराओं एवं उनके योगदान से उन्हें भली-भांति परिचित कराया जा सके यही नहीं कविता की विभिन्न काव्यधारायें जिस तरह समाज में व्यापक सरोकार के साथ उन्मुख रहीं उनकी विशिष्टता से भी अवगत कराया जा सके |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु विद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क) मध्यावधि परीक्षा - 25%

ख) सत्रांत परीक्षा - 50%

ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

*पुस्तकालय कार्य - 5%

*प्रायोगिक कार्य - 5%

*गृह-कार्य - 5%

* कक्षा परीक्षा - 5%

*कक्षा-प्रस्तुतियां 5%

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-4

पाठ्यक्रम शीर्षक - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 444 (HIL 444) **श्रेय तुल्यमान:** 4 श्रेय

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य : स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ (8 घंटे)

क) **स्वातंत्र्योत्तर** काव्य : राजनीतिक,सामाजिक स्थिति

ख) प्रगतिवादी काव्यधारा

ग) प्रयोगवादी काव्यधारा

घ) नई कविता

ङ) समकालीन हिन्दी कविता

इकाई-2 प्रयोगवादी कविता : कवि एवं रचना-संसार (8 घंटे)

क) अज्ञेय की काव्य-दृष्टि, अज्ञेय और प्रकृति

ख) मुक्तिबोध की सौन्दर्यानुभूति, मुक्तिबोध का शब्द कर्म

ग) अज्ञेय की कविताओं का पाठ विवेचन ('कलगी बाजरे की', 'यह दीप अकेला', 'हरी घास पर क्षण भर')

घ) मुक्तिबोध की कविताओं का पाठ विवेचन (भूल गलती, ब्रह्म राक्षस)

इकाई-3 नई कविता : कवि एवं रचना-संसार (8 घंटे)

क) शमशेर बहादुर सिंह की कविता में प्रेम

ख) रघुवीर सहाय की कविता : राजनीति एवं समाज

ग) शमशेर बहादुर सिंह की कविताओं का पाठ विवेचन ('बात बोलेगी', 'य शाम है')

घ) रघुवीर सहाय की कविताओं का पाठ विवेचन (रामदास, हँसो हँसो जल्दी हँसो)

इकाई-4 समकालीन कविता : 1 (8 घंटे)

क) समकालीनता की अवधारणा

ख) त्रिलोचन : त्रिलोचन के सानेट

ग) त्रिलोचन की कविताओं का पाठ विवेचन ('उस जनपद का कवि हूँ)

इकाई-5 समकालीन कविता : 2 (8 घंटे)

क) नागार्जुन : राजनीतिक स्वरूप

ख) नागार्जुन की कविताओं का पाठ विवेचन ('शासन की बन्दूक', 'अकाल और उसके बाद')

ग) केदारनाथ सिंह : ग्रामीण संवेदना

क) केदारनाथ सिंह की कविताओं का पाठ विवेचन ('बुनाई का गीत', 'मेरी भाषा के लोग)

<u>सम्भावित ग्रन्थ :</u>

<u>आधार ग्रन्थ :</u>

कृष्णदत्त पालीवाल अज्ञेय रचनावली,खण्ड- 2

भारतीय ज्ञान पीठ, 18 इंस्टीटयूशनल एरिया,लोदी रोड,
नई दिल्ली - 110 003

रघुवीर सहाय एक समय था

राजकमल प्रकाशन प्रा .लि
1-बी,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली- 110 002
पहला संस्करण : 1995

शमशेर बहादुर सिंह प्रतिनिधि कवितायें

राजकमल पेपरबैक्स,
राजकमल प्रकाशन प्रा. लि.
1-बी,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली- 110 002
पांचवी आवृत्ति : 2005

नागार्जुन प्रतिनिधि कवितायें

राजकमल पेपरबैक्स,
राजकमल प्रकाशन प्रा. लि.
1-बी,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली- 110 002

गोबिन्द प्रसाद (सम्पादन) केदारनाथ सिंह पचास कविताएँ नयी सदी के लिए
वाणी प्रकाशन,4695,21-ए दरियागंज,नई दिल्ली-110002
प्रथम संस्करण : 2012

<u>सहायक ग्रन्थ :</u>

डॉ. अनंतकीर्ति तिवारी रघुवीर सहाय की काव्यानुभूति और काव्यभाषा
विश्वविद्यालय प्रकाशन,चौक,
वाराणसी- 221 001
संस्करण : 1996

डॉ. बृजबाला सिंह मुक्तिबोध और उनकी कविता
विश्वविद्यालय प्रकाशन,चौक,
वाराणसी- 221 001
संस्करण : 2004

डॉ. हरिनिवास पाण्डेय प्रगतिशील काव्यधारा और त्रिलोचन
विश्वविद्यालय प्रकाशन,चौक,
वाराणसी- 221 001
संस्करण : 2000

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. हिन्दी - चतुर्थ सेमेस्टर

पाठ्यक्रम शीर्षक - हिंदी के किसी एक साहित्यकार का विशेष अध्ययन

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 448 (HIL 448) **श्रेय तुल्यमान:** 4 श्रेय

विशेष कवि का अध्ययन - महाकवि गोस्वामी तुलसीदास

1. Nk=ksa dks rqylhnkl ds O;fDrRo ,oa d`frRo ls ifjfpr djkukA
2. fganh dh HkfDrdkyhu dkO; izo`fŸk;ksa dh tkudkjh nsukA
3. rRdkyhu izeq[k dfo rFkk mudh d`fr;ksa ls ifjfpr djkukA
4. ikB~; d`fr;ksa ds lanHkZ esa leh{kk dh {kerk c<+kukA

इकाई प्रथम

Jhjkepfjrekul ¼ckydk.M½ nksgk & 1 ls 10
¼Jhjkepfjrekul & xhrkizsl, xksj[kiqj½

इकाई द्वितीय

Jhjkepfjrekul ¼mŸkjdk.M½ nksgk & 11 ls 20
¼Jhjkepfjrekul & xhrkizsl, xksj[kiqj½

इकाई तृतीय

dforkoyh ¼izkjafHkd Nan 1 ls 10½
¼dforkoyh & xhrkizsl, xksj[kiqj½

इकाई चतुर्थ

xhrkoyh in& 1 ls 10
¼xhrkoyh & xhrkizsl xksj[kiqj½

इकाई पंचम

fou;if=dk in& 11 ls 20

अनुशंसित ग्रन्थ

1. xksLokeh rqylhnkl & vkpk;Z jkepanz ’kqDy
2. rqylhnkl lkfgR; esa uhfr] HkfDr vkSj n’kZu & MkW gfj’panz ’kekZ
3. rqylh dk dkO; lkSan;Z & MkW jkeewfrZ f=ikBh
4. rqylh dk ekul & eaq’khjke ’kekZ
5. rqylh dkO; n’kZu & MkW- jkeyky flag
6. rqylh lkfgR; lq/kk & MkW- HkxhjFk feJ
7. rqylhnkl % oLrq vkSj f’kYi & MkW vkuanizdk’k nhf{kr
8. fou;if=dk % ,d ewY;kadu & MkW gfj’panz ’kekZ
9. fgUnh vkykspuk vkSj fgUnh uojRu & jktdqekj mik/;k; ef.k
10. yksdoknh rqylhnkl % fo'oukFk f=ikBh
11. rqylh vk/kqfud okrk;u ls % jes'k dqUryes?k
12. rqylh vk/kqfud lanHkksZa esa % MkW HkxhjFk feJ

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. हिन्दी - चतुर्थ सेमेस्टर

पाठ्यक्रम शीर्षक - हिंदी और जनसंचार माध्यम (न्यू मीडिया सहित)

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 423 (HIL 423) **श्रेय तुल्यमान:** 4 श्रेय

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1 जनसंचार माध्यम: अर्थ,परिभाषा एवं महत्व (7 घंटे)

क) जनसंचार: अर्थ,परिभाषा एवं महत्व

ख) हिन्दी में जनसंचार माध्यमों की आवश्यकता एवं महत्व

ग) परम्परागत जनसंचार माध्यमों लोकसंगीत,लोकनाट्य,मेले,प्रदर्शनी आदि द्वारा प्रसारित जनसंचार का स्वरूप

घ) आधुनिक जनसंचार माध्यमों का स्वरूप और हिन्दी

इकाई-2 प्रिन्ट मीडिया: स्वरूप और संरचना (8 घंटे)

क) समाचार पत्रों का स्वरूप, पत्रिकाओं का स्वरूप

ख) रिपोर्टिंग एवं सम्पादकीय लेखन

ग) संवाद समिति और प्रेस संगठनों की स्वरूप-संरचना

घ) प्रायोगिक कार्य: दो समाचार पत्रों या पत्रिकाओं का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई-3 इलेक्ट्रानिक मीडिया: स्वरूप और संरचना (8 घंटे)

क) टेलीविजन की विकास यात्रा, टेलीविजन के लिए समाचार लेखन, टेलीविजन के लिए फीचर लेखन, टेलीविजन बाज़ार,दूरदर्शन पत्रकारिता

ख) रेडियो की विकास यात्रा,रेडियो के लिए समाचार लेखन,रेडियो के लिए फीचर लेखन, रेडियो की प्रसारण तकनीक,रेडियो पत्रकारिता

ग) रेडियो एवं टेलीविजन के समाचार संपादन के सिद्धांत,दूरदर्शन और निजी चैनलों की संरचना और संगठन का अध्ययन |

इकाई-4 न्यू मीडिया: स्वरूप और संरचना (9 घंटे)

क) ई-पेपर, ई-मैगजीन,इंटरनेट, वेब-पोर्टल, सोशल नेटवर्किंग साइट्स

ख) सूचना प्रौद्योगिकी एवं मास मीडिया

ग) नवीनतम सूचना तकनीक एवं समाज

इकाई-5 जनसंचार माध्यमों का वर्तमान स्वरूप और हिन्दी भाषा (8 घंटे)

क) भूमंडलीकरण और जनसंचार माध्यम

ख) सामाजिक परिवर्तन में जनसंचार माध्यमों की भूमिका

ग) हिन्दी भाषा के प्रसार में जनसंचार माध्यमों की भूमिका

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें -

1 डॉ. अर्जुन चव्हाण मीडियाकालीन हिन्दी स्वरूप एवं संभावनाएं, राधाकृष्ण, दिल्ली,2005

2 डॉ.वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी भारतीय लोकनाट्य,वाणी प्रकाशन,दिल्ली

3 जगदीश चन्द्र माथुर परंपराशील नाट्य, राजकमल, दिल्ली,2006

4 डॉ. एस. के. दुबे पत्रकारिता के नए आयाम, लोकभारती,इलाहाबाद,2006

5 विष्णु राजगढ़िया जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग, राधाकृष्ण,दिल्ली,2008

6 रामशरण जोशी (सं) समाचार संपादन,राधाकृष्ण,दिल्ली,1991

7 गुलाब कोठारी समाचार-पत्र प्रबंधन,राधाकृष्ण,दिल्ली,1992

8 पूरन चन्द्र जोशी अवधारणाओं का संकट, राजकमल,दिल्ली

9 पी.के आर्य इलेक्ट्रानिक मीडिया, प्रतिभा प्रतिष्ठान,नई दिल्ली,2007

10 संजय कुमार (सं) *आकाशवाणी समाचार की दुनिया, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली,2010*
11 रवींद्र शुक्ला *सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार-पत्र, राधाकृष्ण, नई दिल्ली,2008*
12 जगदीश्वर चतुर्वेदी *जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई-दिल्ली*
13 डॉ. ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक' *हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार, वाणी, दिल्ली,2000*
14 जवरीमल्ल पारख *जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र, अनामिका पब्लिशर्स नई दिल्ली,2006*
15 जगदीश्वर चतुर्वेदी,सुधा सिंह *मीडिया प्राच्यवाद और वर्चुअल यथार्थ,अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली, 2008*
16 डॉ. पवन अग्रवाल *समाचार संरचना और प्रस्तुति,आलेख प्रकाशन,नवीन शाहदरा,दिल्ली, 2004*
17 नीरज कुमार राय *सूचना प्रौद्योगिकी और सामाजिक संरचना,ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली,2011*

<u>व्याख्यान योजना</u>-

व्याख्यान संख्या	**व्याख्यान विषय**	**निर्धारित स्रोत**
1	इकाई एक प्रारम्भ ,जनसंचारअर्थ,परिभाषा :	पाठ्यपुस्तक +5
3-2	जनसंचार माध्यम महत्व :	पाठ्यपुस्तक 1
5-4	हिन्दी में जनसंचार माध्यमों की आवश्यकता एवं महत्व	पाठ्यपुस्तक
8-6	लोकसंगीत लोकनाट्य,मेले,प्रदर्शनी आदि द्वारा प्रसारित जनसंचार, का स्वरूप	पाठ्यपुस्तक 3+2+1
9	आधुनिक जनसंचार माध्यमों का स्वरूप	पाठ्यपुस्तक 1
10	आधुनिक जनसंचार माध्यम और हिन्दी	पाठ्यपुस्तक 1
12-11	इकाई दो प्रारम्भ, समाचार पत्रों का स्वरूपपत्रिकाओं का स्वरूप ,	पाठ्यपुस्तक 13+4
13	रिपोर्टिंग और सम्पादकीय लेखन	पाठ्यपुस्तक 13+7+6+4
15-14	संवाद समिति और प्रेस संगठनों की स्वरूपसंरचना-	पाठ्यपुस्तक 16+7+6
16	दो समाचार पत्रों या पत्रिकाओं का तुलनात्मक अध्ययन	प्रायोगिक कार्य
17	इकाई तीन प्रारम्भ, टेलीविजन की विकास यात्रा	पाठ्यपुस्तक 13+12+9+8+4
18	टेलीविजन के लिए समाचार लेखन टेलीविजन के लिए फीचर लेखन	पाठ्यपुस्तक 13+12+9+8+4
19	टेलीविजन बाज़ार	पाठ्यपुस्तक 13+12+9+8+4
20	दूरदर्शन पत्रकारिता	पाठ्यपुस्तक 13+12+9+8+4
21	रेडियो की विकास यात्रा	पाठ्यपुस्तक 13+12+10+9+4
24-22	रेडियो के लिए समाचार लेखनरेडियो के लिए फीचर लेखन,	पाठ्यपुस्तक 13+12+10+9+4
25	रेडियो की प्रसारण तकनीक	पाठ्यपुस्तक 13+12+10+9+4
26	रेडियो पत्रकारिता	पाठ्यपुस्तक 13+12+10+9+4
27	रेडियो एवं टेलीविजन के समाचार संपादन के सिद्धांत	पाठ्यपुस्तक 12+10

28	दूरदर्शन और निजी चैनलों की संरचना और संगठन का अध्ययन |	पाठ्यपुस्तक 12+10
30-29	इकाई चार प्रारम्भ, ईपेपर, ई-मैगजीन,इंटरनेट-	पाठ्यपुस्तक 16+15+11
31	वेबपोर्टल, सोशल नेटवर्किंग साइट्स-	पाठ्यपुस्तक 16+15+11
33-32	सूचना प्रौद्योगिकी एवं मास मीडिया	पाठ्यपुस्तक 15+11
35-34	नवीनतम सूचना तकनीक एवं समाज	पाठ्यपुस्तक 17+14
37-36	इकाई पांच प्रारम्भ, भूमंडलीकरण और जनसंचार माध्यम	पाठ्यपुस्तक 15
39-38	सामाजिक परिवर्तन में जनसंचार माध्यमों की भूमिका	पाठ्यपुस्तक 15+14
40	हिन्दी भाषा के प्रसार में जनसंचार माध्यमों की भूमिका	पाठ्यपुस्तक 17